श्री बूटा सिंह (मोगा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक बात निवेदन करनी थी ।

अध्यक्ष महोदय : चूंकि आपका नाम नहीं था इसलिए मैं आपको इजाजत नहीं दे सकता हूं ।

श्री बूटा सिंह : जिस प्रश्न के ऊपर चुनाव लड़कर हम लोग यहां पालियामेंट में आये हैं उस पंजाबी सूबे की चर्चा हम इस हाउस के अन्दर न करें यह कैसे हो सकता है ?

अध्यक्ष महोदय : अब आप यह भी देखें कि जैसे आप महसूस करते हैं वैसे ही और लोग भी महसूस करते हैं और मैं भी करता हूं लेकिन जो एक यहां कार्यवाही चलाने का हमने उसूल व कायदा बना रखा है उस को कायम रखने में मैं आप की मदद चाहता हूं ।

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह सोच रहा था कि शायद होम मिनिस्टर साहब के स्टेटमेंट से कोई हल निकलना है या स्थिति में कुछ सुधार होने वाला है मगर बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस से न तो कोई हल निकलता है न वर्तमान स्थिति में कोई सुधार हो सकता है । केवल चार दिन बाकी रह गये हैं जबकि संत जी आमरण व्रत शुरू करने वाले हैं और एक मर्तबा अगर व्रत शुरू हो गया तो वह टूट नहीं सकता है इसलिए इस गम्भीर स्थिति को देखते हुए मैं गवर्नमेंट से दरख्वास्त करता हूं कि वह पंजाबी सूबे की घोषणा कर दे ।

Shri Kapur Singh: I shall say in just half a dozen sentences, what I want to say.

Shri Ranga (Chittoor): We may have a discussion this evening.

Mr. Speaker: This evening? I cannot say. If some notice is there it can be considered. That is what I am telling him again and again.

श्री बूटा सिंह : परिस्थिति बड़ी गम्भीर है केवल चार दिन रह गये हैं व्रत शुरू होने में । अविलम्ब इस पर विचार होना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : आपको नोटिस भेजना चाहिए ।

श्री बूटा सिंह : एक बात....

अध्यक्ष महोदय : मैं अब बिल्कुल इजाजत नहीं दे सकता और अब आप बैठ जायें । मेरा मना करते रहने के बावजूद भी आप को जो कुछ कहना था आपने वैसे कह लिया है ।

12.30 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Thirty-ninth Report

The Minister of Communications and Parliamentary Affairs (Shri Satya Narayan Sinha): I beg to move:

> "That this House agrees with the Thirty-ninth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 3rd September, 1965."

Mr. Speaker: I shall now put the motion to the vote of the House.

12.30½ hrs.

STATEMENT RE: PUNJABI SUBA—*contd.*

Shri Ranga: Sir, I would like to make a suggestion. In the light of the statement made by the hon. Home Minister and the strong feelings expressed by some of the hon. Members, I would like to suggest that the Government themselves would take the earliest possible opportunity of

giving a chance for this House to express itself in regard to this particular matter that is agitating all the people in Punjab pertaining to the threatened fast of Sant Fateh Singh in regard to the demand for a Punjabi Suba. It is in the interests of the country as a whole and this Government in particular that they should take the earliest possible opportunity in this House to have a discussion at least for one day, and then ascertain the views of the people as reflected in this House also.

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इसी सिलसिले में कुछ अर्ज करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : यह तो गवर्नमेंट ने कनसिडर करना है। माननीय सदस्य ने गवर्नमेंट को कहा है। वह इस को कनसिडर करेगी।

12.32 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE —*contd.*

THIRTY-NINTH REPORT—*contd.*

Shri Daji (Indore): Sir, I want to say a word about the motion that has just been moved. Only two hours have been set apart for the discussion of oil policy. If the discussion is to be in anyway fruitful, more time should be allowed for that. Two hours for oil policy will not give even five to seven minutes to each Member. Even important groups will not be able to speak. Therefore, at least four hours should be the minimum that would be required for discussing the oil policy. Otherwise, the discussion will not be fruitful.

Shri Satya Narayan Sinha: The time has been decided by the Business Advisory Committee. I have no objection if the House wants to extend the time.

Mr. Speaker: I am told that the allotment for the discussion of oil policy is not here.

An hon. Member: It is for Thursday. Is that not here?

Mr. Speaker: It does not contain the time for oil policy.

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं इसी मोशन के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। जैसा कि आचार्य रंगा ने कहा है, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। मिनिस्टर साहब ने इस हफ्ते का प्रोग्राम एनाउन्स किया है। हम चाहते हैं कि अगर आप इजाजत दें, तो आज ही इस के बारे में थोड़ी सी चर्चा हो जाये। अगर आप इस की इजाजत दे दें, तो आप की बहुत मेहरबानी होगी।

अध्यक्ष महोदय : मेम्बर साहब जानते हैं कि अगर कोई डिस्कशन रेज करना हो, तो उस के लिए नोटिस देना पड़ता है। अगर मेरे सामने कोई बाकायदा नोटिस हो, तो मैं उस को देख सकता हूं। बगैर किसी नोटिस के कोई डिस्कशन कैसे हो सकता है? श्री रंगा ने गवर्नमेंट को कहा है। या तो गवर्नमेंट खुद यह डिस्कशन लाये और या कोई मेम्बर साहब नोटिस दें। इन दोनों में से एक बात होनी चाहिए। मैं अपने आप कैसे कोई डिस्कशन ला सकता हूं?

श्री बूटा सिंह : आप हमारी तरफ से गवर्नमेंट को रिक्वेस्ट करें।

Shri Satya Narayan Sinha: Government will consider the suggestion which has been made.

श्री इकबाल सिंह (फ़ीरोज़पुर) : अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने बहुत अच्छे माहौल में अपील की है। माननीय सदस्य इस अपील के असर को रहने दें। इस वक्त हमारे मुल्क पर हमला हो रहा है और लड़ाई हो रही है। इसलिए माननीय सदस्य को सारी बातों को सोच कर बात